<u>Class-ukg</u>
<u>Subject-CCA</u>
<u>Date-26/2/21</u>
<u>Based on NCRT</u>

रितेश के तीन खरगोश राजा

(Hindi short stories with moral for kids)

रितेश का कक्षा तीसरी में पढ़ता था। उसके पास तीन छोटे प्यारे प्यारे खरगोश थे। रितेश अपने खरगोश को बहुत प्यार करता था। वह स्कूल जाने से पहले पाक से हरे-भरे कोमल घास लाकर अपने खरगोश को खिलाता था। और फिर

सक्ूल जाता था। सक्ूल स े आकर भी उसक े लिए घास लाता था।

एक दिन की बात ह ै रित ेश को स्कूल क े लिए द ेरी हो रही थी।वह घास नही ं ला सका , और सक्ूल चला गया। जब सक्ूल स े आया तो खरगोश अपन े घर म े ं नही ं था।रित ेश ने खूब ढू ंढा पर ंतु कही ं नही ं मिला। सब लोगो ं स े पूछा मगर खरगोश कही ं भी नही ं मिला।

रित ेश उदास हो गया रो-रोकर आ ंख े ं लाल हो गई।रित ेश अब पारक म े ं ब ैठ कर रोन े लगा।कुछ द ेर बाद वह द ेखता ह ै कि उसक े

तीनों खरगोश घास खा रहे थे ,
और खेल रहे थे ।रितेश को खुशी
हुई और वह समझ गया कि इन को भूख
लगी थी इसलिए यह पार्क में आए
हैं ।मुझे भूख लगती है तो मैं
मां से खाना मांग लेता हूं ।पर
इनकी तो मैं भी नहीं है ।उसे दुख
भी हुआ और खरगोश को मिलने की
खुशी हुई।

नैतिक शिक्षा – जो दूसरों के दर्द
को समझता है उसे दु:ख छू भी नहीं
पता ।